

किरण नाडर म्यूज़ियम ऑफ आर्ट (केएनएमए) द्वारा केएनएमए वार्षिक महोत्सव, 2026 की घोषणा
- देश की विविध नृत्य परंपराओं पर केंद्रित होगा इस साल का महोत्सव।



प्रेस किट

नई दिल्ली, अक्टूबर 2026, किरण नाडर म्यूज़ियम ऑफ आर्ट (केएनएमए) ने केएनएमए वार्षिक महोत्सव 2026 की घोषणा की है। 2024 में थिएटर और 2025 में संगीत को समर्पित वार्षिकोत्सव के बाद इस साल का महोत्सव देश की विविध नृत्य परंपराओं पर केंद्रित रहेगा। इसमें भारतीय साहित्य और लोक परंपराओं में प्रेम के अलग-अलग रूपों को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। लीला सैमसन द्वारा संकलित (क्यूरेटेड) इस वार्षिकोत्सव का आयोजन 15 से 18 अक्टूबर, 2026 तक दिल्ली की सुंदर नर्सरी में होगा। इसमें 6 प्रायोजित प्रस्तुतियों समेत 14 प्रस्तुतियां होंगी। इसके माध्यम से देश की अलग-अलग भाषाओं की नृत्य शैलियों और प्रेम की कहानियों को प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें अनुभवी कलाकारों के साथ-साथ नए उभरते हुए कलाकार भी हिस्सा लेंगे।

महोत्सव की पहली संध्या चैंडा मेलम की शुभ शुरुआत से होगी। जहां मुख्य केन्द्र 'अनंग रंग' और कामदेव, मन्मथ की खोज व गहरे भाव पर आधारित होगा। इस प्रस्तुति के माध्यम से अलग-अलग भाषाओं एवं नृत्य परंपराओं में प्रेम के अनेक रूपों को प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें भारतीय शास्त्रीय नृत्य के पांच प्रतिष्ठित कलाकार शामिल होंगे। इनमें भरतनाट्यम एवं कुचीपुड़ी की प्रमुख कलाकार तथा विलासिनी नाट्यम एवं अगम भारतम की विशेषज्ञ स्वप्नसुंदरीय पद्मश्री से सम्मानित ओडिसी नृत्यांगना, कोरियोग्राफर एवं गुरु माधवी मुद्गलय प्रसिद्ध कथकली कलाकार एवं 2026 कथकली श्रेष्ठ पुरस्कार से सम्मानित कलामंडलम बालासुब्रमणियनय प्रसिद्ध अभिनय एवं नृत्य श्रेष्ठ ब्रघा बेसेलय तथा परफॉर्मिंग आर्टिस्ट, गायक, कोरियोग्राफर एवं शिक्षाविद वैशाली त्रिवेदी शामिल हैं। प्रीति पटेल एवं अंजिका सोसायटी फॉर मणिपुरी डांस एंड मूवमेंट थेरेपी की 'आनंद लीला' प्रस्तुति के साथ शाम का समापन होगा। यह मणिपुरी महारास प्रस्तुति श्रीकृष्ण एवं गोपियों के पवित्र नृत्य के माध्यम से लोगों को भावों से सराबोर करेगी।

दूसरी शाम भक्ति, प्रेम और आध्यात्मिक बदलाव की कहानियों को समर्पित होगी। कार्यक्रम की शुरुआत अंजिका सोसायटी फॉर मणिपुरी डांस एंड मूवमेंट थेरेपी की ओर से 'मणिपुरी संकीर्तन' परंपरा के एक अंश 'शुभारंभ' से

होगी। इसके बाद तीन प्रस्तुतियां होंगी। इनमें 'नल एवं दमयंती' की कालजयी कहानी से लिया अंश 'शृंगार मंजरी' शामिल है, जिसे कलामंडलम सुब्रमणियन एवं उनका समूह कथकली के माध्यम से प्रस्तुत करेगा। इसके बाद अश्वघोष के 'सौंदरानंद-काव्य' से प्रेरित प्रेम दर्पण को अमृता लाहिड़ी और सायक मित्र, कुचिपुडी एवं मार्ग नाट्य के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे। तीसरी प्रस्तुति 'अनुरागम' होगी, जो भरतनाट्यम के माध्यम से प्रेम को उस रस के रूप में प्रस्तुत करती है, जिससे सभी भावनाएं जन्म लेती हैं। 'अनुरागम' की कोरियोग्राफर डॉ. श्रीमती शीला उन्नीकृष्णन हैं और इसका संगीत प्रख्यात वॉयलिन वादक श्री एंबर कन्नन ने तैयार किया है। इसे श्रीदेवी नृत्यालय के कलाकार प्रस्तुत करेंगे।

तीसरे दिन दोस्ती, प्रेम, भक्ति और विरह के माध्यम से प्रेम के अलग-अलग रूपों को प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें 'सुभद्रा-कल्याणम' का अंश 'कदल' प्रस्तुत किया जाएगा। यह भाई-बहन के रिश्ते, दोस्ती तथा प्रेम को सामने रखता है। पी. राजगोपाल और हन्ने एम. डी ब्रून के नेतृत्व में इस प्रस्तुति में 'कट्टाईकुट्टु' नृत्य शैली के कलाकार शामिल होंगे। इसके बाद 'मिलन' प्रस्तुत किया जाएगा, जो उन्नीसवीं सदी की पंजाबी संत 'पिरो' के जीवन और उनकी कविताओं की कोरियोग्राफिक प्रस्तुति है। इसे अपनी प्रस्तुतियों से प्रतिभा का लोहा मनवा रही युवा भरतनाट्यम कलाकार मीरा श्रीनारायणन प्रस्तुत करेंगी। शाम का समापन 'अनुरक्ति' से होगा। अक्का महादेवी के वचन से प्रेरित यह समकालीन प्रस्तुति सांसारिक मोह से परे प्रेम को समझने की कोशिश करती है। इसकी प्रस्तुति मुंबई की कोरियोग्राफर, परफॉर्मर और मूवमेंट डायरेक्टर जाह्नवी शेरिफ और उनका समूह करेगा।

अंतिम दिन चार अलग-अलग प्रस्तुतियों के माध्यम से भक्ति, समर्पण और आध्यात्मिक अनुभूति को सामने लाया जाएगा। इनमें केरलम की एक प्रसिद्ध प्रेम कहानी पर आधारित 'कथिवनूर वीरन थेयम' की प्रस्तुति 'भक्ति' शामिल है। इसके अलावा, संत जनाबाई की भगवान पांडुरंग के प्रति भक्ति पर आधारित 'प्राणिधन' की प्रस्तुति होगी। इसे डॉ. शीला उन्नीकृष्णन की शिष्या और भरतनाट्यम कलाकार हरिनी जीविता प्रस्तुत करेंगी। 'रंग रुहानी' के माध्यम से अमीर खुसरो और निजामुद्दीन औलिया के संबंधों को दर्शाया जाएगा। इसे भारत के प्रमुख पुरुष भरतनाट्यम कलाकारों में शामिल आदित्य पीवी प्रस्तुत करेंगे, जो उपाध्य स्कूल ऑफ डांस के मैनेजिंग डायरेक्टर और पुण्य डांस कंपनी के को-आर्टिस्टिक डायरेक्टर भी हैं। उनके साथ प्रसिद्ध कथक कलाकार एवं गुरु धीरेंद्र तिवारी होंगे।

महोत्सव का समापन 'बसंत अनुराग' के साथ होगा। यह वसंत, प्रेम, विरह और आकर्षण के भावों के माध्यम से कृष्ण का उत्सव मनाने वाली प्रस्तुति है। इस ओडिसी प्रस्तुति का नेतृत्व राज्य संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार एवं केंद्रीय संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित डॉ. अरुणा मोहंती और ओडिशा डांस एकेडमी द्वारा किया जाएगा।

केएनएमए की एसोसिएट डायरेक्टर, परफॉर्मिंग आर्ट्स अदिति जेटली जडेजा ने कहा, "केएनएमए महोत्सव परफॉर्मिंग आर्ट्स, म्यूज़ियम और दर्शकों के बीच जुड़ाव बनाए रखने की दिशा में हमारे प्रयासों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हर संस्करण भारत की सांस्कृतिक विविधता को समझने और उससे जुड़ने का एक अलग नजरिया सामने लाता है। इस वर्ष नृत्य के माध्यम से हम भारत के साहित्य, संगीत और कथा सुनाने की परंपरा में प्रेम की अलग-अलग अभिव्यक्तियों को सामने ला रहे हैं। यह महोत्सव वरिष्ठ कलाकारों के साथ प्रतिभाशाली कलाकारों की नई पीढ़ी को भी एक मंच पर लाता है। इनमें वे कलाकार शामिल हैं जो परंपराओं को आगे बढ़ा रहे हैं और वे भी, जो अपनी कला को नए तरीके से पेश करते हुए उसकी सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। लीला सैमसन इन सभी अलग-अलग कलात्मक परंपराओं को अपनी सहज लेकिन विशिष्ट क्यूरेटोरियल शैली के जरिए एक साथ जोड़ती हैं।"

केएनएमए नृत्य महोत्सव की क्यूरेटर लीला सैमसन ने कहा, "आज दुनिया को समझ, सहनशीलता, एक-दूसरे के साथ साझा करने की भावना और प्रेम की सबसे ज्यादा जरूरत है। इसलिए प्रेम के इस उत्सव का हिस्सा बनिए। यहां प्रेम के सभी रूपों को अनुभव करने का अवसर मिलेगा, जो प्रकृति में और इंसानों के बीच दिखाई देते हैं। भारत की नृत्य परंपराओं ने हजारों वर्षों से इन भावनाओं को जिस तरह अपने भीतर समेटा है, यह उसी विरासत का

हिस्सा है। केएनएमए महोत्सव का यह संस्करण कला में संवेदनशीलता, अलग-अलग संस्कृतियों के मेल और उन सतत विचारों को आगे बढ़ाता है, जिन्हें पिछले संस्करणों में अलग-अलग अभिव्यक्तियों, विचारों और मान्यताओं के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।”

सूची विवरण:

तिथियां: 15 से 18 अक्टूबर, 2026

स्थान: सुंदर नर्सरी

टिकट: केएनएमए की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

मीडिया से जुड़ी पूछताछ, इंटरव्यू या ज्यादा जानकारी के लिए, कृपया संपर्क करें:

अमृता कपूर,

DGM – मीडिया, PR और स्ट्रैटेजिक कम्युनिकेशंस, किरण नादर म्यूजियम ऑफ आर्ट

ईमेल: amrita.kapoor@hcl.com; मोबाइल: +91 -9818058964

अंजनी मिगलानी,

असिस्टेंट मैनेजर – कम्युनिकेशन और मीडिया, किरण नादर म्यूजियम ऑफ आर्ट

ईमेल: anjani.miglani@knma.org; मोबाइल: +91 - 7011854269

एडिटर के लिए नोट्स

किरण नादर म्यूजियम ऑफ आर्ट (KNMA) के बारे में

2010 में स्थापित, किरण नादर म्यूजियम ऑफ आर्ट (KNMA) दक्षिण एशिया की आधुनिक और समकालीन कला का भारत का प्रमुख निजी म्यूजियम है। शिव नादर फाउंडेशन द्वारा समर्थित एक गैर-व्यावसायिक और नॉट-फॉर-प्रॉफिट संस्था के तौर पर, KNMA ऐसी प्रदर्शनियां, कमीशन, परफॉर्मेंस और सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित करता है जो विजुअल और परफॉर्मिंग आर्ट्स को आम दर्शकों से जोड़ते हैं। अपनी व्यापक लर्निंग और कम्युनिटी पहलों के ज़रिए, KNMA कला तक पहुँच बढ़ाने और आधुनिक व समकालीन कला-पद्धतियों के साथ गहरे जुड़ाव को बढ़ावा देने का काम करता है। KNMA का नया, खास तौर पर इसी मकसद से बनाया जा रहा कैंपस अभी नई दिल्ली में बन रहा है, जिससे इसकी प्रदर्शनी, परफॉर्मेंस और लर्निंग की क्षमताएँ काफ़ी बढ़ जाएँगी। एक इंटरडिसिप्लिनरी (बहु-विषयक) सांस्कृतिक केंद्र के तौर पर परिकल्पित, यह नई इमारत ज़्यादा बड़े पैमाने पर कलात्मक रचना, अलग-अलग क्षेत्रों के बीच सहयोग और सार्वजनिक कार्यक्रमों को संभव बनाएगी, जिससे भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक प्रमुख सांस्कृतिक मंच के तौर पर म्यूजियम की भूमिका और मज़बूत होगी।

www.knma.org

भाग लेने वाले कलाकार:

दिल्ली पंचवाद ट्रस्ट, स्वप्नसुंदरी, ब्राघा बेसेल, कलामंडलम बालसुब्रमण्यन, माधवी मुद्गल, वैशाली त्रिवेदी, गौरव भट्टी, सुंदरेशन पांडुरंगन, अंजिका सोसाइटी, प्रीति पटेल, के. रतन सिंह, डब्ल्यू. सूरज कुमार, टीएच. इमोचा सिंह, एस. करुणा देवी, अमृता लाहिड़ी, सायक मित्रा, श्रीदेवी नृत्यलय, डॉ. श्रीमती शीला उन्नीकृष्णन, कट्टैकुट्टू संगम, पी. राजगोपाल, मीरा श्रीनारायण, जाह्नवी शेरीफ़ एंड फ्रेंड्स, इंटरनेशनल सेंटर फॉर फ़ोकलोर एंड कल्चर, हारिनी जीविका, श्री राजकुमार भारती, आदित्य पीवी, धीरेंद्र तिवारी, ओडिसी डांस एकेडमी, गुरु डॉ. अरुणा मोहंती